SSC GD 2025
STAFF SELECTION COMMISSION
कर्मचारी चयन आयोग
ROJGAR With ANKIT
अवसर बैच
हिंदी
(अनेक शब्दों के लिये एक शब्द)
Part -5
LIVE 21-06-2024 06:00 PM

176. जो स्त्री के वशीभूत है - स्त्रैण

177. वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है - वाग्दत्ता

लड़की

178. परंपरा से चली आ रही बात - अनुश्रुति

179. खोज करने वाला - अन्वेषक

180. सब कुछ खाने वाला - सर्वहारी

जो केवल फल खाता → फलहारी / जो साग सब्जी खाता → शाकाहारी

जो माँस खाता है → माँसाहारी

181. जो तुरन्त कोई युक्ति सोच ले - प्रत्युत्पन्नमति

182. अपने सहारे पर रहने वाले - स्वावलंबी

183. किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला - जिगीषु

जानने की इच्छा → जिज्ञासा / जीने की इच्छा - जिजीविषा

184. राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश - अध्यादेश

185. समुद्र की आग - बड़वानल | पेट की आग → जठराग्नि
जंगल की आग - दावानल

186. 'वह कवि जो तत्काल कविता करे' - आशुकवि

187. 'उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति' - रिक्थ

188. " जो ईश्वर में विश्वास रखता हो' - आस्तिक

ना करने वाला → नास्तिक

189. 'कम बोलने वाला' - मितभाषी

ज्यादा बोलने वाला → वाचाल

190. "प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री - प्रियंवदा

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

191. जो सबको समान रूप से देखता हो - समदर्शी

192. जो सब कुछ जानता हो - सर्वज्ञ

जो बहुत जानता है - बहुज्ञ

जो कम जानता है - अल्पज्ञ

193. जिसके हृदय में ममता नहीं है - निर्मम

194. जिस पर आक्रमण हो - आक्रांत

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

195. जो सब कुछ जानता हो - सर्वज्ञ

196. जो मृत्यु को जीत ले - मृत्युंजय

197. जो पढ़ना-लिखना जानता हो - साक्षर

198. ज्ञान- नेत्र से देखने वाला अंधा व्यक्ति - दिव्यचक्षु

199. दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु मिश्रित वह पदार्थ जो देवताओं और भगवान को स्नान हेतु बनाया जाता है - पंचामृत

200. "ऐसा ग्रहण जिसमें सूर्य पूरा ढक जाय - खग्रास (सूर्यग्रहण)

चंद्रमा पूरा ढक जाता -> चंद्रग्रहण अमावस्या -> पूर्णिमा

201. प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री - मृदुभाषिणी

(प्रियंवदा)

202. मन की बात जानने वाला - मर्मज्ञ

203. जिसे बुलाया न गया हो - अनाहूत (आहूत)

204. पसीने से उत्पन्न होने वाला - स्वेदज

205. पैर से मस्तक तक - आपादमस्तक

206. जो देखने के योग्य हो - दर्शनीय

207. अन्य से सम्बन्ध न रखने वाला - अनन्य

208. कही हुई बात को बार-बार कहना - पुनरुक्ति

209. समान रूप से ठण्डा और गरम - समशीतोष्ण

210. जो छाती के बल गमन करता - उरग

साँप (सर्प)

चलता है

211. किसी के पास रखी हुई दूसरे के वस्तु - धरोहर / अमानत

212. जिसमें युद्ध करने की इच्छा हो - युयुत्सु

21/06

213. जिसका दमन किया गया हो - दमनीय